ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
जलवायु परिवर्तन पर उच्च अध्ययन केन्द्र
डा0 राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)–848125

बुलेटिन संख्या–४०
दिनांक– शनिवार, २७ मई, २०२३

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेधशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः 34.0 एवं 21.4 डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता 89 प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में 56 प्रतिशत, हवा की औसत गति 3.7 कि0मी0 प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पन 4.6 मि0मी0 तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन 6.5 घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा 5 से0मी0 की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में 26.5 एवं दोपहर में 38.3 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में 7.6 मि0मी0 वर्षा रिकार्ड हुई।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(28–31 मई, 2023)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा0आर0पी0सी0ए0यू0, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी 28–31 मई, 2023 तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः–

- पूर्वानुमानित अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल छाये रह सकते है। अगले 12 घंटो तक ज्यादातर स्थानों पर वर्षा की सम्भावना बनी रह सकती है। उसके बाद मौसम आमतौर पर शुष्क रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में अधिकतम तापमान 36–38 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। जबकि न्यूनतम तापमान 24–26 डिग्री सेल्सियस के आस–पास रह सकता है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में 80 से 85 प्रतिशत तथा दोपहर में 45 से 55 प्रतिशत रहने की संभावना है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन 13 से 15 कि0मी0 प्रति घंटा की रफ्तार से पछिया हवा चलने की सम्भावना है।

• समसामयिक सुझाव

- अगले 12 घंटो तक वर्षा की सम्भावना को देखते हुए किसान अपना कृषि कार्यो में सर्तकता वरतें। उसके बाद मौसम शुष्क रहने की सम्भावना को देखते हुए कृषि कार्य करे ।
- उत्तर विहार के लिए अनुशंसित खरीफ मक्का की किस्में जैसे सुआन, देवकी, शाक्तिमान–1, शाक्तिमान–2, राजेन्द्र संकर मक्का–3, गंगा–11 की बुआई करें। बुआई के समय प्रति हेक्टेयर 30 किलो नेत्रजन, 60 किलो स्फुर एवं 50 किलो पोटाष का व्यवहार करें। प्रति कि0ग्रा0 बीज को 2.5 ग्राम थीरम द्वारा उपचारित कर बुआई करें। बीज दर 20 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बुआई पूर्व खेत में प्रयाप्त नमी की जाँच अवश्य कर लें।
- लम्बी अवधि वाले धान की किस्में जैसे–राजश्री, राजेन्द्र मंसुरी, राजेन्द्र स्वेता, किशोरी, स्वर्णा, स्वर्णा सब–1 वी0पी0टी0–5204 एवं सत्यम की नर्सरी लगा सकते हैं। र्नसरी के लिए खेत की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में सड़ी हुई गोबर की खाद का व्यवहार करे। नर्सरी में क्यारी की चौराई 1.25–1.5 मीटर तथा लम्बाई सुविधानुसार रखें। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु 800– 1000 बर्ग मीटर क्षेत्रफल की नर्सरी तैयार करें। बीज की व्यवस्था प्रमाणित स्त्रोत से करें। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार अवश्य कर लें।
- लीची तोड़ने के बाद लीची के बगीचों की जुताई कर खाद एवं उर्वरकों का प्रयोग करे। प्रति प्रौढ़ पेड़ 60 से 80 किलोग्रम कम्पोस्ट अथवा गोबर की सड़ी खाद, 2.5 किलोग्रम यूरिया, 1.5 किलोग्रम सिंगल सुपर फॉसफेट, 1.3 किलोग्रम म्युरेट ऑफ पोटाश तथा 50 ग्राम सुहागा के मिश्रण को बृक्ष के पूरे फैलाव में समरुप बिछा कर मिट्टी में मिला दें ।
- बसंतकालीन मक्का की खड़ी फसलों में कीट एवं रोग व्याधि की नियमित रुप से निगरानी करते रहें।
- जो किसान भाई अब तक ओल की रोपाई नही किये हैं, वे अतिशीघ्र ओल की रोपाई संपन्न करें।
- हल्दी एवं अदरक की बुआई करें। हल्दी की राजेन्द्र सोनिया, राजेन्द्र सोनाली किस्में एवं अदरक की मरान एवं नदिया किस्में उत्तर बिहार के लिए अनुशंसित है।
- खरीफ प्याज की खेती कें लिए नर्सरी (बीजस्थली) की तैयारी करें। स्वस्थ पौध के लिए र्नसरी में गोबर की खाद डाले। छोटी–छोटी उथली क्यारियों, जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। खरीफ प्याज के लिए एन0–53, एग्रीफाउण्ड डॉक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर किस्में अनुशंसित है। बीज गिराने के पूर्व बीजोपचार कर लें। बीज की दर 8–10 कि0ग्रा0 प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- भिंडी की फसल में फल एवं प्ररोह वेधक कीट की निगरानी करें। इसके पिल्लू भिंडी फलों के अन्दर छेद बनाकर उसके अन्दर घुसकर फलों को खाते हैं तथा इसे पुरी तरह नष्ट कर देते हैं। इसकी रोक–थाम के लिए सर्वप्रथम प्रभावित फलों को तोड़कर मिट्टी के अन्दर दबा दें। अधिक नुकसान होने पर डाईमेथोएट 30 ई0सी0 दवा का 1.5 मी0ली0 प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। लत्तर वाली सब्जियों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें।
- किसान भाई मई के अन्त तक सभी दुधारू पशुओं को गलघोटु एवं लंगड़ी बीमारीयों से बचने के लिए टिका लगायें। अपने पशुओं को दिन में छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखे एवं अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः 32.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 3.9 डिग्री सेल्सियस कम	आज का न्यूनतम तापमानः 20.6 डिग्री सेल्सियस, सामान्य से 4.1 डिग्री सेल्सियस कम

(डॉ0 गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी (कृषि मौसम)

(डॉ0 ए. सत्तार)
वरीय वैज्ञानिक सह नोडल पदाधिकारी (कृषि मौसम)